VEDIC ASTROLOGY
CAREER ANALYSIS
REPORT

Niharika
Birth Date: 02 Apr 1999 05:21:00 AM
Birth Place: New Delhi, India

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामय सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित् दुखभाग भवेत

www.astrobix.com

Niharika

02 April 1999, Friday
05:21:00 AM(5.5)
New Delhi, India

रेखांश	:	77.12E
अक्षांश	:	28.36N
साम्पातिक काल	:	17:39:21
स्थानीय मानक समय	:	04:59:48
अयनांश	:	23.85 एन सी लाहिरी

लग्न	:	कुम्भ
लग्नपति	:	शनि
राशी	:	कन्या
राशी स्वामी	:	बुध
नक्षत्र	:	चित्रा
नक्षत्र स्वामी	:	मंगल
चरण	:	2
नाड़ी	:	मध्य
नाड़ी पद	:	आदि
तिथि	:	प्रतिपद कृष्ण
पाया	:	लोहा
सूर्य सिद्धांत योग	:	व्याघात
करण	:	कौलव
वर्ण	:	वैश्य
वर्ण	:	वैश्य
वश्य	:	मानव
योनि	:	ब्याघ्र(स्त्री.)
विहग	:	करन्द
गण	:	राक्षस
प्रथम अक्षर	:	पे, पो, रा, री
सूर्य राशि	:	मीन

लग्न कुन्डली

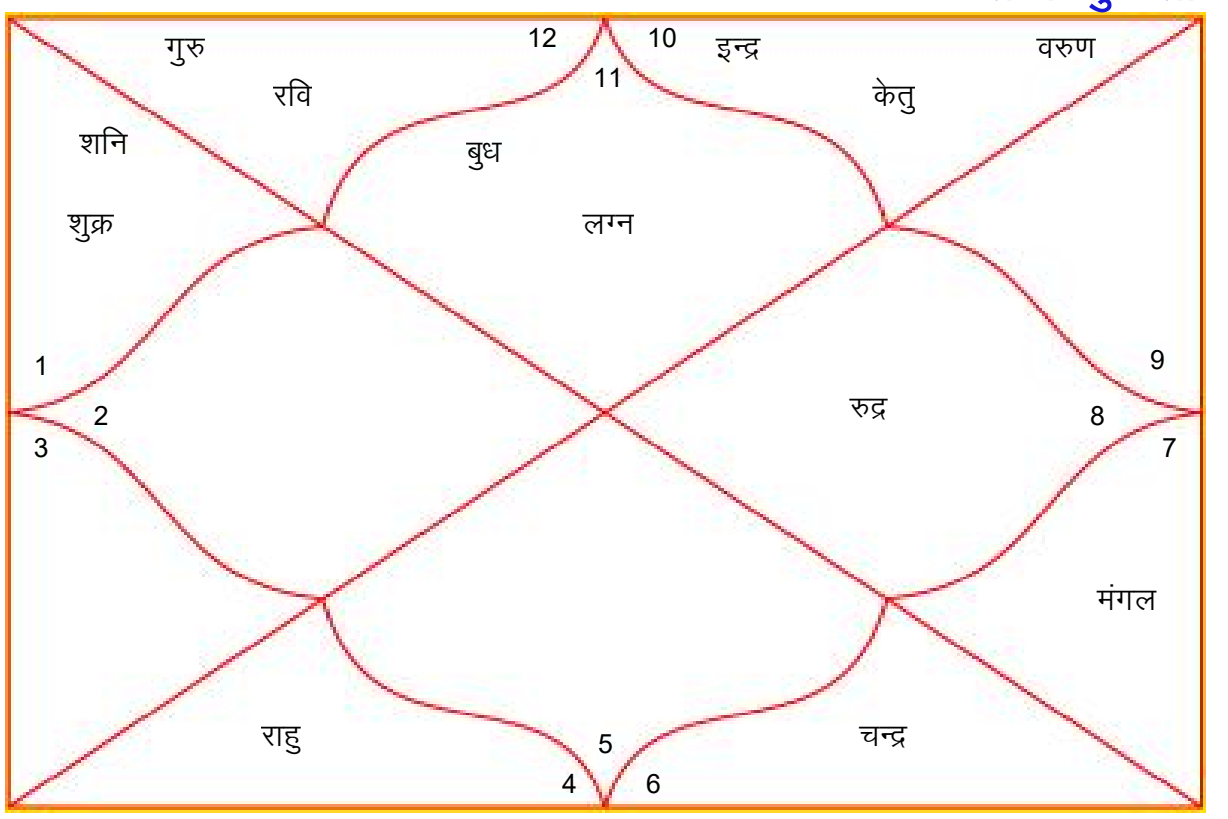

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	दिशा	राशी	स्वामी	डिग्री	नक्षत्र–पद	स्वामी
लग्न		कुम्भ	शनि	28:47:51	पूर्व भाद्रपद–3	गुरु
रवि	मार्गी	मीन	गुरु	17:57:17	रेवती–1	बुध
बुध	वक्री	कुम्भ	शनि	27:1:58	पूर्व भाद्रपद–3	गुरु
शुक्र	मार्गी	मेष	मंगल	23:39:40	भरणी–4	शुक्र
मंगल	वक्री	तुला	शुक्र	17:2:57	स्वाति–4	राहु
गुरु	मार्गी	मीन	गुरु	17:24:24	रेवती–1	बुध
शनि	मार्गी	मेष	मंगल	9:42:4	अश्विनी–3	केतु
चन्द्र	मार्गी	कन्या	बुध	29:37:21	चित्रा–2	मंगल
राहु	वक्री	कर्क	चन्द्र	25:43:53	आश्लेषा–3	बुध
केतु	वक्री	मकर	शनि	25:43:53	धनिष्ठा–1	मंगल
इन्द्र	मार्गी	मकर	शनि	21:56:59	श्रवण–4	चन्द्र
वरुण	मार्गी	मकर	शनि	10:11:22	श्रवण–1	चन्द्र
रुद्र	वक्री	वृश्चिक	मंगल	16:32:55	अनुराधा–4	शनि

आपका कैरियर और संभावनायें

इस रिपोर्ट में आपकी जन्मकुण्डली के अनुसार आपके लिये कैरियर की संभावनाओं का विश्लेषण किया गया है. आपकी जन्मकुण्डली में ग्रहों की स्थिति और योगों का अध्ययन कर ज्योतिष द्वारा यह जाना जा सकता है कि आपके कैरियर के लिये किन विकल्पों का चुनाव बेहतर होगा. साथ ही यह भी कि आप अपने कैरियर के दौरान किस तरह के अवसरों व बाधाओं का सामना कर सकते हैं.

आपकी कुण्डली में बनने वाले कैरियर से संबंधित योग

कुण्डली में बनने वाले शुभ और अशुभ ग्रहों व भावों के योगों का आपके जीवन व कैरियर पर गहन प्रभाव होता है. कैरियर के विश्लेषण के लिये राशियों व भावों में ग्रहों की स्थिति के अलावा योगों का भी विश्लेषण जरूरी है. आगे आपकी कुण्डली में बनने वाले योग व उनका प्रभाव दिया गया है.

धन योग

एकादश भाव का स्वामी दूसरे घर में द्वितीयेश के साथ विराजमान है. ग्रहों की इस युति से आपके पैतृक धन में वृद्धि हो सकती है. आप स्वयं भी काफी धन सम्पत्ति अर्जित कर पाएंगे.

विदेश में सफलता का योग

आपकी कुण्डली में नवम भाव का स्वामी तीसरे भाव में स्थित है. दशमेश भी द्वादश भाव में स्थित होकर विदेश में आजीविका प्राप्ति का योग बना रहा है. आपको विदेश में अच्छी सफलता मिल सकती है. आप अपने काम में उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे.

गजकेसरी योग

आपकी कुण्डली में चन्द्र और गुरु एक दूसरे से केन्द्र में बैठकर गजकेसरी योग बना रहे हैं. इस योग को धन प्राप्ति के विषय में बहुत ही शुभ माना जाता है. आप ज्ञानी और विद्वान व्यक्ति होंगे. अपनी मेहनत और बुद्धि से धन कमाएंगे. दान–पुण्य के कार्य में आपका योगदान रहेगा.

आपका आचरण अच्छा होगा. आप सदगुणी इंसान होंगे. आपके मन में दया की भावना रहेगी. लोग आपको अच्छे वक्ता के रूप में जानेंगे तथा आपका यश फैलेगा.

भद्र योग

बलवान बुध आपकी कुण्डली में लग्न से केन्द्र में स्थित होकर भद्र योग बना रहा है. आपकी बुद्धि प्रखर होगी जिससे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं. गणित विषय पर आपकी पकड़ होगी. चतुराई और बातों से विरोधियों को मात देकर आगे बढ़ने में सफल होंगे.

आपके कार्य और आचरण से स्वभाव में मौजूद व्यवहारिकता दृष्टिगत होगी. छोटे भाई–बहनों से मधुर सम्बन्ध बने रहेंगे. आपके बहुत से मित्र हो सकते हैं. आर्थिक रूप से आप सम्पन्न होंगे ऐसी संभावना प्रबल दिखती है.

चिकित्सक बनने का योग

राहु आपकी कुण्डली में बलवान है और केतु के साथ इसका दृष्टि सम्बन्ध बन रहा है. चिकित्सक बनने

के लिए यह अच्छा योग है. आप चाहें तो अपनी मेहनत और बुद्धि से चिकित्सक बन सकते हैं. औषधियों के आप अच्छे जानकार होंगे जिससे आपको नाम और यश मिल सकता है.

आपका कैरियर ज्योतिष की निगाह से

लग्न का आपके कैरियर पर प्रभाव

आप व्यक्तिगत स्वतंत्रता के पक्षधर होंगे और दबाव में रहकर कार्य करना पसंद नहीं करेंगे. अपने साथ काम करने वालों के साथ मधुर सम्बन्ध बनाये रखने की कोशिश करेंगे तथा जरूरत पड़ने पर लोगों की मदद के लिए भी आगे आएंगे. आपके अच्छे व्यवहार के कारण मित्रों से आपको सहयोग मिलेगा. मित्रों में आप लोकप्रिय भी रहेंगे.

आपकी महत्वाकांक्षा तीव्र होगी जिस पर अंकुश लगाना अच्छा रहेगा. क्रोध पर नियंत्रण रखेंगे और समझदारी से काम लेंगे तो यह आपके कैरियर को सुखद मोड़ दे सकता है.

दशम भाव का आपके कैरियर पर प्रभाव

वृश्चिक राशि आपकी कुण्डली के दशवें घर में स्थित है जिससे आप आधुनिक तरीकों से काम करना पसंद करेंगे. रचनात्मक कार्यों में आपका मन लगेगा. अपने कार्य में बदलाव लाते रहना चाहेंगे. आप अपनी सफलता की राहें खुद बनाने वालों में से होंगे.

जहां तक संभव होगा अपना काम अपनी मेहनत और योग्यता के बल पर पूरा करने की कोशिश करेंगे. दूसरों से सहायता की अपेक्षा नहीं रखेंगे. अपने कार्य में किसी प्रकार का हस्तक्षेप आपको अच्छा नहीं लगेगा.

दशम घर के स्वामी की स्थिति

दशम भाव का स्वामी मंगल आपकी कुण्डली में कमज़ोर स्थिति में है. आपको क्रोध पर नियंत्रण रखने के साथ ही साथ विवादों से दूर रहने का प्रयास करना होगा अन्यथा कार्य क्षेत्र में लोगों से तनावपूर्ण सम्बन्ध हो सकते हैं. कुछ ऐसी भी घटना हो सकती है जिससे बाद में पछताना पड़ सकता है.

कार्य में जोखिम लेने में आप घबराएंगे. अपने अंदर साहस, जोश एवं उत्साह बनाए रखें इससे आगे बढ़ने में मदद मिलेगी. कार्य शुरू करने से पहले उसके विषय में पूरी योजना बनालें इससे कार्य में सफलता की संभावना बढ़ जाएगी, विरोधियों को भी पराजित कर सकते हैं. कैरियर में उतार–चढ़ाव आने पर इससे घबराना नहीं चाहिए, ऐसे समय में धैर्य और समझदारी से काम लेना अच्छा रहेगा.

दशम घर के स्वामी के स्थान का प्रभाव

कैरियर संवारने में आपका भाग्य आपका पूरा साथ देगा. आप अपने पिता के कारोबार को संभालेंगे तो उसे काफी आगे ले जाएंगे. आपकी बुद्धि प्रखर होगी जिससे सही ग़लत की पहचान कर पाएंगे. अपनी

इस योग्यता से न्याकर्ता के तौर पर कार्य कर सकते हैं. विदेश में कार्य करना भी आपके लिए अच्छा रहेगा.

आपकी रूचि धर्म और अध्यात्म में रहेगी. इस क्षेत्र में कार्य करने की सोच सकते हैं. अपने कार्य क्षेत्र में आप लोगों को मार्ग दर्शन कराएंगे. पिता के आप आदर्श पुत्र हो सकते हैं. आय से प्राप्त धन में से कुछ दान–पुण्य में खर्च करेंगे.

दशम कुण्डली में दशम भाव के स्वामी का प्रभाव

आपकी कुण्डली के दशमांश वर्ग कुण्डली में दशवे घर के स्वामी सूर्य है. सूर्य के प्रभाव से सत्ता पक्ष से आप लाभ उठा सकते हैं. आपकी रूचि राजनीति में है तो इस क्षेत्र में अपना कैरियर बनाकर अच्छी सफलता प्राप्त कर सकते हैं. आप अच्छे जन प्रतिनिधि हो सकते हैं. आप व्यापार करेंगे तो व्यापार भी खूब फलेगा.
अपने प्रयास से उच्च पद पाने की आपमें योग्यता होगी. बहुत से लोग आपके मार्ग निर्देशन में कार्य कर सकते हैं. कार्य क्षेत्र में आप सम्मानित होंगे तथा समाज में भी आपकी प्रतिष्ठा रहेगी.

आपकी रुचियां एवं शौक

आपकी रूचि खेलों में हो सकती है विशेषतौर पर शक्ति प्रदर्शन वाले खेल जैसे मुक्केबाजी, मार्शल आर्ट, रेसलिंग, ग्लाइडिंग आपको पसंद होगा. इसे चाहें तो आप कैरियर के तौर पर ले सकते हैं.
कार रेस के माध्यम से धन कमाने का विचार आपके मन में आएगा. यंत्रों का काम करके भी आप जीविकोपार्जन करने की सोच सकते है. अभिनय द्वारा आप नाम यश कमाने की कोशिश करेंगे.

आपकी कुण्डली में ग्रहों की स्थिति

ग्रहों की अपनी गति होती है. जन्म के समय जो ग्रह कुण्डली के जिस घर में होते हैं उसके अनुरूप जीवन पर्यन्त अपना फल देते हैं. ग्रह की स्थिति शुभ होने पर उनका फल शुभ प्राप्त होता है जबकि अशुभ या कमज़ोर स्थिति होने पर ग्रहों से मिलने वाले शुभ फलों में कमी आती है. कैरियर के विषय में ग्रह अपनी स्थिति के अनुरूप परिणाम देते हैं. आपकी कुण्डली में जो ग्रह जिस घर में मजबूत अथवा कमज़ोर अवस्था में हैं उनके अनुरूप ग्रहों का फल यहां प्रस्तुत है.

कुण्डली में सूर्य की स्थिति

सूर्य आपकी कुण्डली में दूसरे घर में बली अवस्था में है. इससे आपको शुभ फल प्राप्त होंगे. पिता से आपको सहयोग व सुख मिलेगा. परिवार के सदस्यों के साथ अच्छे सम्बन्ध बनाकर रखेगे तो उनसे मदद मिलेगी जो कैरियर निर्माण में सहायक होगा. जहां भी कार्यरत होंगे अपने सिद्धांतों एवं स्वाभिमान के साथ समझौता नहीं करेंगे. अपनी कमाई से दान–धर्म करने के बावजूद काफी धन बचत सकते हैं.

कुण्डली में बुध की स्थिति

बुध आपकी कुण्डली में बलवान है और पहले घर में स्थित है. आप बुद्धिमान तथा ज्ञानी होंगे. आपकी स्मरण शक्ति अच्छी होगी. गणित विषय के अच्छे जानकार हो सकते हैं. आपका शब्द ज्ञान भी विस्तृत होगा. परिस्थिति और माहौल के अनुसार बात करने में आप कुशल होंगे तथा चतुराई में भी आप आगे होंगे.

आप सक्रिय और जागरूक होंगे. आपमें प्रबन्धन की भी योग्यता होगी. अपने इन गुणों से आप चाहें तो अपने कैरियर को ऊँचाईयों पर ले जा सकते हैं. अपने आकर्षक व्यक्तित्व का भी आपको फायदा मिलेगा.

कुण्डली में शुक्र की स्थिति

आपकी कुण्डली के तीसरे घर में बैठा शुक्र कमज़ोर स्थिति में है. संगीत, गायन तथा अभिनय में आपकी रूचि रहेगी इन क्षेत्रों में आप कैरियर बनाने की सोच सकते हैं. चित्रकला एवं हस्त कलाओं में आपकी रूचि कम हो सकती है.

साझेदारी के कारोबार में अधिक सर्तक और सावधान रहने की जरूरत है. अन्यथा नुकसान हो सकता है. आर्थिक परेशानियों से बचने के लिए धन प्राप्ति के साधनों को तलाशना होगा तथा बचत पर ध्यान देना होगा.

कुण्डली में मंगल की स्थिति

कुण्डली में भाग्य स्थान यानी नवम भाव में बैठा मंगल कमज़ोर है. अच्छे कैरियर की चाहत रखते है तो भाग्य के भरोसे नहीं बैठना चाहिए बल्कि, मेहनत को अपना संबल बनाएं. क्रोध आपका शत्रु है.

इसके कारण माता–पिता से तनाव बढ़ सकता है और उनके सहयोग और सुख में कमी आएगी. कार्य क्षेत्र में भी क्रोध के कारण मुश्किलें आने की गुंजाईश है. इस पर नियंत्रण नहीं रखेंगे तो लड़ाई–झगड़ा हो सकता है और आप कानूनी मसलों में उलझ सकते हैं.

कुण्डली में गुरु की स्थिति

आप विद्वान होंगे. आपकी रूचि कविता लेखन में हो सकती है. कुण्डली के दूसरे घर में बैठा बलवान

गुरू आपको अच्छा सलाहकार बनाएगा. अपनी योग्यता से विभिन्न स्रोतों से धन कमा सकते हैं. आपकी अर्थिक स्थिति अच्छी होगी, बचत में इजाफा होगा, जीवन में ऋण लेने की आवश्यकता कम पड़ेगी.

लोगों से नम्र व्यवहार करेंगे तथा मीठा बोलेंगे. अपने विरोधियों के प्रति भी आप दया की भवाना रखेंगे. व्यक्तित्व के इन गुणों से आपके यश में वृद्धि होगी.

कुण्डली में शनि की स्थिति

आपकी कुण्डली के तीसरे घर में बैठा शनि कमजोर है. अपनी आजीविका को उन्नति के पथ पर ले जाने के लिए मेहनत करनी होगी तथा आलस्य को अपने से दूर रखना होगा. खुद को चिन्ता मुक्त रखकर लक्ष्य की ओर दृष्टि जमाये रखने होगी. अधिक से अधिक पूंजी बनाने की चाहत आपके अंदर संतोष की भावना को कम कर सकती है.

कठिन समय में साथ देने वालों को नहीं भूलना चाहिए. परिवार की सुख–शांति का आपकी कार्य क्षमता पर काफी असर होता है इसलिए परिवार में सभी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाये रखने का प्रयास करना होगा. भाग्य को बलवान बनाने के लिए ईश्वर के प्रति आस्थावान रहना चाहिए.

कुण्डली में चंद्र की स्थिति

आपकी कुण्डली के आठवें घर में बैठा चन्द्र कमजोर है. आप छोटी–छोटी बातों को लेकर चिंता करेंगे इससे आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है. इसका असर आपकी आजीविका और कार्य पर हो सकता है. आपके लिए अच्छा होगा कि समय–समय पर स्वास्थ्य की जांच कराते रहें. रक्त वर्धक पदार्थों का सेवन करें.

व्यवसायिक क्षेत्र में भावुकता से निर्णय लेना आपके लिए हानिकारक होगा. धन के लेने–देन में असावधानी अपयश का कारण बन सकता है. आपको अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने के लिए धन संचय पर ध्यान देना होगा. इसके लिए आप प्रयासरत भी रहेंगे. दया, विनम्रता और मिलनसार व्यक्तित्व कार्य क्षेत्र में आने वाली कई प्रकार की मुश्किलों को दूर करने में सहायक होगी. अतः इन्हें अपने व्यक्तित्व का हिस्सा बनाना चाहिए.

कुण्डली में राहु की स्थिति

आप बुद्धिमान और समझदार व्यक्ति होंगे. कोई भी निर्णय लेने से पहले उस पर अच्छी तरह सोच–विचार करेंगे. छठे घर में बैठा बलवान राहु आपको नीति निर्माण की योग्यता देता है. अपनी नीतियों और योजनाओं से कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं.

आपको विदेश यात्रा का अवसर मिल सकता है. संभावना है कि अस्पताल और दवाईयों से सम्बन्धित काम करेंगे तो इसमें उन्नति की ओर अग्रसर होंगे. विरोधियों और प्रतियोगियों को परास्त करके आगे बढ़ने की आपमें योग्यता होगी. अपनी आजीविका से आप वाहन सुख हासिल कर पाएंगे.

कुण्डली में केतु की स्थिति

आजीविका में उन्नति की चाहत रखते हैं तो आपको आशावादी बनाना होगा. छोटी–छोटी असफलताओं से घबराने की बजाय अपने अंदर संघर्ष की क्षमता विकसित करनी होगा. ऐसा, इसलिए कि आपकी कुण्डली के बारहवें घर में बैठा केतु कमज़ोर अवस्था में है. धर्म–कर्म में मन लगाएं इससे आत्मिक बल मिलेगा और आगे बढ़ने का हौसला प्राप्त होगा.

दूसरों पर निर्भर रहने की बजाय स्वयं परिश्रम कीजिए. मेहनत से आप तरक्की प्राप्त कर सकते हैं. विवादों से जहां तक हो सके बचने की कोशिश करें अन्यथा कानूनी मामलों में फंस सकते हैं. आर्थिक स्थिति में उतार–चढ़ाव की आशंका है अतः आय–व्यय में संतुलन बनाये रखने की कोशिश करें.

कार्यस्थल में दूसरों से आपके संबंध

व्यवसायिक क्षेत्र मे उच्चधिकारियों, सहयोगियों व अधीनस्थों के साथ सम्बन्ध विशेष रुप से महत्वपूर्ण होते हैं. इनसे अच्छे सम्बन्ध होने पर कार्य में आसानी होती है तथा सफलता आपके कदम चूमती है. वहीं खराब संबध उन्नति के रास्ते मे बाधक बनती हैं और कार्य क्षेत्र में कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना होता है.

अपने वरिष्ठ सहकर्मियों के साथ आपने संबंध

आप आत्मविश्वास से परिपूर्ण, मेहनती और लगनशील व्यक्ति होंगे. आपके इन गुणों से अधिकारी प्रभावित होंगे तथा प्रतियोगियों से आगे निकल सकते हैं. सीनियर्स और अधिकारियों से आपको मार्गदर्शन मिलता रहेगा. इनके साथ अच्छे सम्बन्ध होने के कारण पदोन्नति के अवसर मिलते रहेंगे.

अपने समकक्ष सहकर्मियों के साथ आपके संबंध

अपने व्यवहार एवं विनोदी स्वभाव के कारण आप मित्रों एवं सहयोगियों के प्रिय हो सकते हैं. मित्रों एवं सहयोगियों के प्रति आपका व्यवहार सहयोगपूर्ण रहेगा. जरूरत पड़ने पर हर संभव सहायता के लिए तैयार रहेंगे. आपके इस स्वभाव के कारण जरूरत के वक्त मित्रों एवं सहयोगियों से भी आपको भरपूर सहयोग मिलेगा. आपसी सामंजस्य से आप कार्य योजनाओं को पूरा कर पाएंगे. इसका फायदा दोनों पक्षों को मिलेगा.

अपने कनिष्ठ सहकर्मियों के साथ आपके संबंध

अधीनस्थों एवं कर्मचारियों से सहयोग पाने के लिए आपको हठ का त्याग करना चाहिए तथा उनके प्रति अपना व्यवहार नम्र रखना चाहिए. इन बातों का ध्यान नहीं रखेंगे तो इनके विरोध का सामना करना पड़ सकता है. कर्मचारियों का असहयोग आर्थिक रूप से नुकसानदेय भी हो सकता है. आपके प्रतियोगी आपको पीछे छोड़ सकते हैं.

आपके लिए अच्छा होगा कि कर्मचारियों के कार्य एवं उत्तरदायित्व का विभाजन करें और उनपर अतिरिक्त बोझ न डालें. जरूरत के अनुरूप उन्हें सहयोग दें. किसी मुद्दे पर मतभेद होने पर शांति पूर्वक बात–चीत से मुद्दों को सुलझाने की कोशिश करें. शनि के उपाय करने से परिस्थितियों में सुधार संभव है.

आपकी कुण्डली से निष्कर्ष

आपकी शिक्षा व कुशलता

जन्मकुण्डली में शिक्षा से संबंधित ग्रह स्थिति अनुकूल है. शिक्षा के क्षेत्र में आपकी उपलब्धी सामान्य होने की संभावना है. आपके पास ग्रेज्युएट या इसके समकक्ष डिग्री होने के योग बन रहे हैं. आपको अपने कैरियर में आगे आने के पारंपरिक शिक्षा के अलावा और भी नये स्त्रोत इस्तेमाल करने चाहिये. आपकी कार्यकुशलता आपको कैरियर में आगे लाएगी.

आपका कर्मस्थान

आपकी कुण्डली में बनने वाले योगों के अनुसार प्रबल संभावनायें हैं कि आपका जन्मस्थान ही आपका कार्यस्थान बन जाये. आपको अपने जन्म शहर में ही व्यापार या नौकरी करने का मौका मिलेगा और यही आपके लिये ज्योतिष अनुसार शुभ है.

भाग्य का सहयोग

आपकी कुण्डली में कई शुभ योग मौजूद हैं. इनके प्रभाव से सफलता प्राप्त करना आपके लिये मुश्किल नहीं होगा. अगर आप मेहनत व लगन से अपना कार्य करेंगे तो उसका सुफल आपको प्राप्त होगा और आप सफलता की सीढ़ीयां चढ़ते जायेंगे.

जीवन में वक्ती तौर पर कठिनाईयां आपको परेशान कर सकती हैं लेकिन अपनी हिम्मत और मेहनत के बल पर आप उन्हें आसानी से पार कर जायेंगे.

आपके लिये व्यापार या नौकरी में संभावनायें

आपकी कुण्डली के अनुसार आपके लिये व्यापार और नौकरी दोनों में ही सुअवसर हैं. आपको इन दोनों क्षेत्रों से ही आय होगी व बढ़ने के अवसर मिलेंगे. हो सकता है कि आप अपने जीवन में कुछ दिनों तक व्यापार और कुछ दिनों तक नौकरी में सलंग्न रहें. लेकिन आप जो भी कार्य पूर्ण विश्वास व लगन के साथ करेंगे उसमें आपको सफलता प्राप्त होगी.

ज्योतिष द्वारा कैरियर में भाग्योदय के लिये उपाय

उपचार हमेशा पीड़ा को कम करता है. ज्योतिषशास्त्र में भी ग्रहों के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए तथा शुभ प्रभाव बढ़ाने के लिए उपचार की व्यवस्था है. ज्योतिषशास्त्र का मानना है कि विधि पूर्वक ग्रहों का उपचार करने पर सम्बन्धित ग्रह से मिलने वाली बाधाएं कम हो जाती हैं जिससे व्यक्ति अपने प्रयास से सफलता पाने में सक्षम होता है. कुण्डली के माध्यम से भविष्य जानने का उद्देश्य भी यही होता है कि उनके सामने आने वाली कठिनाईयों का निदान निकल सके तथा जीवन में खुशियां बनी रहे.

रत्न के द्वारा उपाय

आपकी कुण्डली कुम्भ लग्न की है. शुक्र चौथे व नवम घर के स्वामी होने के कारण आपके लिए विशेष रुप से शुभ फल देने वाले ग्रह है. भाग्य का पूर्ण फल पाने के लिए आपको शुक्र का रत्न हीरा धारण करना चाहिए. इससे आपको आपकी मेहनत का पूर्ण फल प्राप्त हो सकता है. आपके कार्यों में आपके भीतर घुपी हुई कलात्मकता दृष्टिगोचर होगी. व्यवसायिक क्षेत्र में सफलता के द्वार खुलेंगे तथा आय में वृद्धि होगी.

मनोरंजन के क्षेत्र में आप उन्नति कर सकते हैं. यह आपको चीजों को सजाकर पेश करने की योग्यता देगा. संभावना है कि आप वाहन सुख भी प्राप्त कर सकते हैं. हीरा आपके सौन्दर्य को निखारने के साथ ही साथ व्यक्तित्व के गुणों को बढ़ाएगा.

आपके स्वभाव में व्यवहारिकता आएगी. क्रोध कम होगा तथा दयालुता एवं कोमलता आपके आचरण में परिलक्षित होगा. विपरीत लिंग के व्यक्तियों में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी. शुक्ल पक्ष में शुक्रवार के दिन शुभ समय में इस रत्न को अंगूठी में जड़वाकर इसे अभिमंत्रित करा लेना चाहिए, तत्पश्चात इसे धारण करना चाहिए. इससे रत्न के पूर्ण शुभ फल प्राप्त होंगे.

दान द्वारा उपाय

ग्रहों के शुभ फल बढ़ाने के लिये तथा अशुभ प्रभाव को कम करने के लिये अनेक विधियां प्रचलित है. आप यदि दान के माध्यम से ग्रहों को शुभ बनाना चाहते हैं तो कुछ सामान्य नियमों को ध्यान में रखना चाहिए.

1. दान श्रद्धा और आस्था से देना चाहिए तभी दिये गये दान का पुण्य फल प्राप्त होता है. अश्रद्धा पूर्वक दिया गया दान निष्फल होता है.

2. व्यक्ति की जैसी आस्था होती है दान का फल उसी रूप में प्राप्त होता है.

3. दान विधि के अन्तर्गत विशेष रुप से ध्यान देने वाली बात यह है की दान अपने सामर्थय के अनुसार किये जाने चाहिए.

4. अपने सामर्थ्य के अनुसार दान में दी जाने वाली वस्तुओं की मात्रा बढ़ायी जा सकती है.

5. किसी ग्रह से संबन्धित सभी वस्तुओं का दान संभव न हो तो उसमें से जो संभव हो उसी का दान किया जा सकता है.

6. जरूरतमन्द को दिया गया दान उत्तम होता है.

आपको अपने अच्छे कैरियर के लिए शुक्र को मजबूत बनाना चाहिए. इसके लिए आप शुक्र की वस्तुओं का दान कर सकते हैं. शुक्र की वस्तुएं हैं चावल, घी, शुक्र यंत्र, हीरा. सुगन्धित वस्तुएं एवं इत्र दान करना भी अच्छा रहेगा.

मन्त्रों के द्वारा उपाय

आजीविका में सफलता पाने के लिए शुक्र के मंत्र ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः का नियमित 108 बार जप करना चाहिए.